वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान , कोयम्बत्तूर में सन 2019 हेतु 16 सितम्बर 2019 को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह में सभी कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस अवसर पर श्री डेबासिस जाना,भा.व.से, अपर प्रधान वन संरक्षक, कोयम्बत्तूर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में निदेशक डॉ.एस.मुरुगेसन जी ने मुख्य अथिति को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उसके बाद श्री.एस.सेन्दिलकुमार, भा.व.से, अध्यक्ष(राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरान्त डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, नोडल अधिकारी (राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभी के समक्ष वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट पेश किया जिसमें निम्नलिखित विषयों पर हुई प्रगति को दर्शाया गया:

क्रम सं.	विषय	2017-18	2018-19
1.	हिन्दी में पत्राचार	35%	53%
2.	फायलों में हिन्दी टिप्पणी लेखन	29%	31%
3.	निदेशक जी के अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन	दो बार	तीन बार
4.	हिन्दी में टिप्पणी लेखन और पत्राचाए एवं सारांश साफ्टवेयर के माध्यम से हिन्दी टंकण आदि विषयों पर हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन	कार्यशालाओं का आयोजन नहीं किया गया।	तीन बार

5.	सभी मानक फार्म जैसे GPF Form, LTC Form, Leave application form, Forest Advance Form आदि का द्विभाषीकरण	सभी मानक फार्मों को द्विभाषिक बनाने का कार्य जारी था।	करीब 17 मानक फार्मों को द्विभाषी में तैयार कर वेबसाइट में सभी के प्रयोग हेतु उपलब्ध कराया गया।
6.	संस्थान की वेबसाइट का द्विभाषीकरण	अनुवाद का कार्य जारी था।	वेबसाइट को हिन्दी में तैयार कर आगे की कार्रवाही हेतु मुख्यालय को प्रस्तुत किया गया।
7.	हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन	14 सितम्बर	14 सितम्बर

संस्थान के निदेशक डॉ.एस.मुरुगेसन जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा कहा कि जीवन में भाषा का क्या महत्व है। हिन्दी एक भाषा को सीख लेने से देश के किसी भी कोने में जाकर एक व्यक्ति अपना जीवन व्यतीत कर सकता है। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखनी चाहिये और उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा की प्रगति में आप सभी का सहयोग रहा है और आगे भी आशा करते है कि राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति करते रहें।

हिन्दी दिवस के इस सुअवसर पर डॉ.कण्णन सी.एस.वारियर, वैज्ञानिक-एफ ने सभी के समक्ष एक सुन्दर हिन्दी गीत प्रस्तुत किया।

हिन्दी दिवस समारोह के दौरान 1-14 सितम्बर 2019 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया जिसमें ***हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता*** आदि को शामिल किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उमंग -उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अथिति ने प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और सभी सहभागिताओं को भी प्रमाणपत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि श्री डेबासिस जाना,भा.व.से, अपर प्रधान वन संरक्षक, कोयम्बत्तूर ने हिन्दी के महत्व पर विशेष भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने बताया कि हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे भारत के कई राज्यों में 43% लोगों के द्वारा बोली जाती है और Lingua Franca के रूप में देखा जाये तो हिन्दी एक ऐसी भाषा है जिसे सीखना बहुत सरल है और जिससे अपने विचारों या भावों को लेन-देन सरल तरीके से किया जा सकता है इसी कारण संघ के द्वारा हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। आगे कहा कि हिन्दी सीखने की विषय को किसी पर थोपना नहीं चाहिये बल्कि उसकी महत्व पर जोर देकर हिन्दी सिखाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिये सभी को बधाई दी और इसी तरह भविष्य में भी प्रगति करते रहने की शुभकामनाएँ दी।

अंत में निदेशक जी ने मुख्य अथिति को एक मेमेन्टो भेंट किया। समारोह का समापन श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवादक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

सभी का स्वागत करते हुए

राजभाषा प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए

निदेशक का भाषण

मुख्य अथिति का भाषण

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देते हुए